



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 222]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 7, 1990/ज्येष्ठ 17, 1912

No. 222] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 7, 1990/JYAISTHA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आती हैं जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेल बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली 7 जून, 1990

रेल (विभिन्न दायित्व का विभाग और प्रतिवेदन रामार का विहिन
किया जाना) नियम, 1990

मा. का. नि. 657(ग) :--केवल भरातीर माल रण खण्ड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 23 के माय पठित रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) की धारा 112 की उत्तरारा (1) और उत्तरारा (2) के खण्ड (प) द्वारा उत्तरारा विभिन्नों का प्रयोग करते हुए विभिन्न विभिन्न नियम बनाती हैं अर्थात् :--

1. मविन नाम और प्रारम्भ :-- (1) इस विभिन्न का संवित नाम रेल (विभिन्न दायित्व का विभाग और प्रतिवेदन रामार का विहिन किया जाना) नियम, 1990 है।

(2) ऐसे विभिन्न के रामार का नाम विभिन्न को दरत होते।

2. परिवापाएँ :

इन विभिन्न में, जब तक कि संबंध से अस्वया अभिन्न न हो:

(क) "अधिनियम" से रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) अभिन्न

(ख) "यात्री भागान" से बहन के लिए रेल प्रशासन को भी भी गई किसी वात्री की वैयक्तिक ओवरलैन अभिन्न है,

(ग) किसी परेण्य के संबंध में "अनिश्चित भूल" से यह रकम अभिन्न है जिसमें परेण्य द्वारा योग्यता मूल्य नियम (3) के उपनियम (1) के अर्थात् विनिर्दिष्ट या परिवर्णित रूप में किसी रेल प्रशासन के दायित्व की रकम से अधिक है,

(घ) "प्रतिवेदन रामार" से अनुसूची 2 के स्थन 2 में विनिर्दिष्ट वर के अनुसूची परिवर्णित अनिश्चित भूल पर सदैव प्रतिवेदन रामार अभिन्न है,

(ङ) "अनुसूची" से इन विभिन्नों की अनुसूची अभिन्न है।

(च) ऐसे घटदों और पक्षों का जो इन विभिन्नों में प्रयुक्त हैं और परिवापित नहीं हैं किंतु अधिनियम में परिवापित हैं, वही अर्थ होगा जो उनका उस अधिनियम में है।

रेल प्रशासन का वानीय दायित्व

3. (1) जहाँ कोई रेल प्रशासन किसी परेण्य को हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान के लिए उत्तरारोगी है वहाँ ऐसी हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान के संबंध में ऐसे रेल प्रशासन के दायित्व की रकम, जब उनके परेण्य ने उसके मूल्य को घोषित किया हो और ऐसे परेण्य के अनिश्चित मूल्य पर प्रतिवेदन रामार संबंध न किए हों।

(i) किसी ऐसे परेण्य की रकम में जिसमें जोशमन्त्र है, अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट रकम से; या

(ii) किसी ऐसे परेषण की रक्षा में जिसमें याकौ समान है, और प्रति किलोग्राम की दर से परिणाम रुपम से; या

(iii) ऊपर छन्द (i) और (ii) में विविध ने विवर किसी परेषण की वज़ा में प्रवास रुप, प्रति किलोग्राम की दर से परिणाम रुपम से,

अधिक नहीं होगी।

(2) जहाँ कोई रेल प्रणाली की हासिन, नुकसान, नाश, धय या अवृद्धिन के लिए उत्तरदायी है और परेषक ने वहन के लिए सौंपे आने के समय ऐसे परेषण का मूल्य घोषित किया है और अनुसूची 2 के यापार्टिक्यूल भाग 1 या भाग 2 में विविध दर पर अतिरिक्त मूल्य पर प्रतिशत प्रभाव संदर्भ दिया है, वहाँ ऐसे परेषण की हासिन, नुकसान, नाश, धय या अपरिवान के लिए किसी रेल प्रणाली के दायित्व को रास डम वकार धायित्व मूल्य से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण 1

वहाँ किसी परेषण के वहन के संबंध में भाड़ा उसके वायाकिक वजन से अन्यथा किसी आधार पर प्रभावी है वहाँ किसी रेल प्रणाली के दायित्व की रकम का अवधारण ऐसे परेषण के वायाकिक वजन के प्रति निर्देश से किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2

जहाँ हासिन, नुकसान, नाश, धय या अपरिवान विही परेषण के केवल भाग के गंतव्य में है वहाँ किसी ऐसे रेल प्रणाली के दायित्व की राम का अवधारण करने के लिए विवारण दिया जाने वाला वजन खो पड़े, नुकसानप्रस्ते नष्ट हुए, धय हुए या अपरिवान मूल का वजन हासिन दब तक कि ऐसी ही हासिन, नुकसान, नाश, धय या अपरिवान से सम्पूर्ण परेषण के मूल्य पर प्रभाव न पड़ता हो।

4. वहन के लिए कठिन प्राप्ति माल का नव नक स्वीकार न किया जाने वह तक कि प्रतिशत प्रभाव का संबोध न कर दिया गया हो।

कोई रेल प्रणाली अनुसूची 2 के भाग 1 में विविध माल योग्य वहन के लिए नव नक स्वीकार नहीं करेगा। जब तक कि एक परेषण ऐसे माल के मूल्य की घोषणा नहीं करता है और अनुसूची 2 के स्तरमें 2 में दर्शित रूप में ऐसे माल योग्य लाग प्रतिशत प्रभाव का संबोध नहीं करता है।

[वा. ३७/टी. नी. III/1/6 आर ए./१०/धारा 103]

मम. के, मनिक संग्रहन निदेशक (आर. ए. अस्ट.)
(रेप्रेव वार्ड)

अनुसूची 1

शीक्षणतुओं का वर्णन	रेल प्रणाली के उत्तराधिक का विलार (रुपयों में)
जाती	6,000
जोड़े	3,000
खच्चर, सीमदार पश्च. या ऊट	800
कुत्ते, गधे, बकरियाँ, सूप्रर, घेड़या	120
जाम ऐसे पशु जो आर वर्णित नहीं हैं या चिकित्सा	

अनुसूची 2

माल का विवरण

प्रतिशत प्रदार दर

भाग 1

(1)

(2)

1. सोना	प्रतिशत मूल्य के अधिकतम 1
2. चांदी	प्रतिशत के अधीन रहते हुए
3. नीती	प्रति 160 किलोग्राम या उसके भाग के लिए अतिरिक्त मूल्य पर प्रति 100 रुपया या उसके भाग के लिए 1.3 प्रति
4. बक्सुमय गत्त	
5. आमूल्य	
6. करेशी नोट और मिक्रो	
7. नरकली डाम	

भाग 2

भाग 1 में विविध से अन्यथा माल	अप्रिक्त मूल्य के अधिकतम 1 प्रतिशत के अधीन रहते हुए प्रति 160 किलोग्राम या उसके भाग के लिए अतिरिक्त मूल्य पर प्रति 100 रुपया या उसके भाग के लिए 2.5 प्रति
-------------------------------	--

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 1990

RAILWAYS (EXTENT OF MONETARY LIABILITY AND PRESCRIPTION OF PERCENTAGE CHARGE) RULES, 1990

G.S.R. 557(E).—In exercise of powers conferred by sub-section (1) and clause (c) of sub-section (2) of section 112 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) read with section 22 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby makes the following Rules namely:

1. Short Title and Commencement:—(1) These rules may be called the Railways (Extent of Monetary Liability and Prescription of Percentage Charge) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of commencement of the Act.

2. Definitions:—In these Rules unless the context otherwise requires;

(a) "Act" means the Railways Act, 1989 (24 of 1989).

(b) "Baggage" means personal effects of a passenger entrusted to a railway administration for carriage.

(c) "Excess value" in respect of any consignment means the amount by which the value declared by a consignor exceeds the amount of liability of a railway administration as specified or calculated under sub rule (1) of rule (3).

(d) "Percentage charge" means the percentage charge payable on excess value calculated in accordance with the rate specified in column 2 of Schedule II.

(c) "Schedule" means the Schedule to these rules.

(f) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Monetary Liability of a railway administration:—(1) Where a railway administration is responsible for loss, damage, destruction, deterioration or non-delivery of any consignment the amount of liability of such railway administration in respect of such loss, damage, destruction, deterioration or non-delivery shall not, unless the consignor has declared its value and paid percentage charge on excess value of such consignment, exceed,—

- (i) in the case of any consignment consisting of animals, the amount specified in Schedule I; or
- (ii) in the case of any consignment consisting of baggage, an amount calculated at rupees one hundred per kilogramme; or
- (iii) in the case of any consignment other than those referred to in clauses (i) and (ii) above, an amount calculated at rupees fifty per kilogramme.

(2) Where a railway administration is responsible for loss, damage, destruction, deterioration or non-delivery of any consignment and the consignor has at the time of entrustment for carriage declared the value of such consignment and paid percentage charge on excess value at the rate specified in Part I or Part II as the case may be of Schedule II, the amount of liability of a railway administration for loss, damage, destruction, deterioration or non-delivery of such consignment shall not exceed the value so declared.

Explanation 1

Where in respect of carriage of any consignment, the freight is chargeable on any basis other than its actual weight, the amount of liability of a railway administration shall be determined with reference to the actual weight of such consignment.

Explanation 2

Where the loss, damage, destruction, deterioration or non-delivery is only with respect to part of a consignment, the weight to be taken into consideration for determining the amount of liability of a railway administration is the weight of the goods lost, damaged, destroyed, deteriorated or non-delivered unless such loss, damage, destruction, deterioration or non-delivery affects the value of the entire consignment.

4. Certain goods not to be accepted for carriage unless percentage charge paid.

No railway administration shall accept for carriage, the goods specified in Part I of Schedule II unless the consignor declares the value of such goods and pays the percentage charge applicable to such goods as indicated in column 2 of Schedule II.

[No. 89/TC III/1/6RA '89/Sec. 103]

S.K. MALIK, Jt. Director R.A.R.
(Railway Board)

SCHEDULE 1

Description of animals	Extent of responsibility of railway administration (per head) (Rs.)
Elephants	6,000
Horses	3,000
Mules, horned cattle or camels	800
Dogs, donkeys, goats pigs, sheep or other animals not mentioned above, or birds	120

SCHEDULE II

Description of Goods	Rate of Percentage Charge
PART I	
(1)	(2)
1. Gold	13 paise per 100 rupees or part thereof on excess value per 160 kilometres or part thereof subject to a maximum of 1% of excess value.
2. Silver	
3. Pearls	
4. Precious stones	
5. Jewellery	
6. Currency notes and coins	
7. Government stamps	

PART II

Goods other than those specified in Part I	25 paise per 100 rupees or part thereof on excess value per 160 kilometres or part thereof subject to a maximum of 1% of excess value.
--	--

